तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	C.No. 141/2007 भगवान देवकरण v/s मोती	
10/9/15	पत्रावली पेश हो। वकील प्रार्थी उप0। वकील अप्रार्थी अनु0। वकील [illegible] को प्रा0 पत्र धारा 212 R.T.Act सुना गया। वकील प्रार्थी द्वारा प्रा0 पत्र के तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन कि प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार फरमाया जाकर अप्रार्थीगणों को मूल वाद के निस्तारण तक इस आशय की अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द फरमाया जावे कि अप्रार्थीगण वादग्रस्त भूमि ग्राम मयागांव पटवार हल्का सीती स्थित भूमि खसरा नं. 413, 567, 575, 576, 577, 412 कुल किता 06 कुल रकबा 103 बीघा 06 बीस्वा में वादग्रस्त भूमि में किसी प्रकार का अन्तरण नहीं करें। हमारे द्वारा पत्रावली का अवलोकन किया गया एवं संलग्न दस्तावेज पर मनन किया गया। अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है तथा अप्रार्थीगणों को मूल वाद के निस्तारण तक इस आशय की अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि वे वादग्रस्त भूमि में किसी प्रकार का अन्तरण नहीं करें। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। उपखण्ड अधिकारी किशनगढ़	